

唐

少年版

诗

唐诗三百首

TANG SHI SAN BAI SHOU

湖南少年儿童出版社

年 版

少



唐诗三百首

汪辉译文 肖希凤
审订 陈书良 赵蕊凡



TANG SHI SAN BAI SHOU



唐诗三百首(少年版)

注释·译文：肖希凤

审订：陈书良

赵志凡

湖南少年儿童出版社出版 湖南省新华书店发行

(长沙市展览馆路 66 号) 湖南省新华印刷三厂印刷

字数：18 万 开本：850×1168 印张：10.5 插页：4

1999 年 7 月第 1 版 2000 年 12 月第 1 版第 4 次印刷

责任编辑：杨实诚

封面设计：凌生华

印数：22,001—30,000

ISBN 7-5358-1736-X/I·480 简精定价：16.50 元

本书若有印刷、装订错误，可向承印厂调换。

唐代是我国古典诗歌发展的鼎盛时期。那时的诗坛，人才辈出，佳作迭起。许许多多的珍品无论题材、风格、艺术手法，都达到了空前的练达、美妙、赏心悦目，其杰出成就永远值得我们引以自豪。

自古流传的“熟读唐诗三百首，不会吟诗也会吟”，强调了学习唐诗的重要性。这不仅对有志于诗歌或其它文艺创作的年轻人是重要的，而且对成长中的少年儿童提高文化或文学素养都是必不可少的。我们基于以上考虑，选编《唐诗三百首》（少年版），以满足广大少儿读者对学习的渴求。

《唐诗三百首》（少年版）诗篇选取注意尽量做到：一是通俗易懂、短小精悍、朗朗上口，为儿童易于接受，乐于朗读；二是脍炙人口，广为流传，确为精品；三是在题材、手法、风格、作者面上也努力做到丰富多样，给人以色彩缤纷之感。

在注释上不轻易放过儿童有可能产生的疑难之点，和同类诗的注释相比，数量适当增多。释义深入浅出，力求使儿童借助注释，能对该诗有个完整理解。

在译文上要求一句一解，紧扣原意，文字表达准确明了。

“说明”是就全诗的主旨、内涵、引申意作简要提示，起画龙点睛的作用。

愿《唐诗三百首》（少年版）成为少年儿童学习的好伴侣。

编 者

目 录

| | | |
|----------|-----|----|
| 咏鹅 | 骆宾王 | 1 |
| 在狱咏蝉 | 骆宾王 | 2 |
| 送杜少府之任蜀州 | 王 勃 | 3 |
| 山中 | 王 勃 | 4 |
| 蝉 | 虞世南 | 5 |
| 从军行 | 杨 焰 | 6 |
| 渡汉江 | 宋之问 | 7 |
| 登幽州台歌 | 陈子昂 | 8 |
| 咏柳 | 贺知章 | 9 |
| 回乡偶书 | 贺知章 | 10 |
| 回乡偶书 | 贺知章 | 11 |
| 边词 | 张敬忠 | 12 |
| 望月怀远 | 张九龄 | 13 |
| 照镜见白发 | 张九龄 | 14 |
| 登鹳雀楼 | 王之涣 | 15 |
| 凉州词 | 王之涣 | 16 |
| 春晓 | 孟浩然 | 17 |
| 宿建德江 | 孟浩然 | 18 |
| 过故人庄 | 孟浩然 | 19 |

目 录

2

| | | |
|-----------|-----|----|
| 望洞庭湖赠张丞相 | 孟浩然 | 20 |
| 送朱大入秦 | 孟浩然 | 21 |
| 从军行 | 王昌龄 | 22 |
| 从军行 | 王昌龄 | 23 |
| 从军行 | 王昌龄 | 24 |
| 从军行 | 王昌龄 | 25 |
| 出塞 | 王昌龄 | 26 |
| 采莲曲 | 王昌龄 | 27 |
| 春宫曲 | 王昌龄 | 28 |
| 长信秋词 | 王昌龄 | 29 |
| 闺怨 | 王昌龄 | 30 |
| 芙蓉楼送辛渐 | 王昌龄 | 31 |
| 终南望余雪 | 祖咏 | 32 |
| 渭川田家 | 王维 | 33 |
| 辋川闲居赠裴秀才迪 | 王维 | 34 |
| 山居秋暝 | 王维 | 35 |
| 观猎 | 王维 | 36 |
| 使至塞上 | 王维 | 37 |
| 鹿柴 | 王维 | 38 |

目 录

3

| | | |
|------------|----|----|
| 竹里馆 | 王维 | 39 |
| 鸟鸣涧 | 王维 | 40 |
| 莲花坞 | 王维 | 41 |
| 杂诗 | 王维 | 42 |
| 相思 | 王维 | 43 |
| 山中 | 王维 | 44 |
| 田园乐 | 王维 | 45 |
| 少年行 | 王维 | 46 |
| 九月九日忆山东兄弟 | 王维 | 47 |
| 山中送别 | 王维 | 48 |
| 送元二使安西 | 王维 | 49 |
| 望天门山 | 李白 | 50 |
| 望庐山瀑布 | 李白 | 51 |
| 金陵酒肆留别 | 李白 | 52 |
| 夜下征虏亭 | 李白 | 53 |
| 黄鹤楼送孟浩然之广陵 | 李白 | 54 |
| 春夜洛城闻笛 | 李白 | 55 |
| 子夜吴歌 | 李白 | 56 |
| 春思 | 李白 | 57 |

目 录

4

| | | |
|--------------|----|----|
| 玉阶怨 | 李白 | 58 |
| 闻王昌龄左迁龙标遥有此寄 | 李白 | 59 |
| 哭晁卿衡 | 李白 | 60 |
| 山中问答 | 李白 | 61 |
| 山中与幽人对酌 | 李白 | 62 |
| 秋浦歌 | 李白 | 63 |
| 秋浦歌 | 李白 | 64 |
| 宣城见杜鹃花 | 李白 | 65 |
| 赠汪伦 | 李白 | 66 |
| 早发白帝城 | 李白 | 67 |
| 陪侍郎叔游洞庭醉后 | 李白 | 68 |
| 峨眉山月歌 | 李白 | 69 |
| 静夜思 | 李白 | 70 |
| 夜宿山寺 | 李白 | 71 |
| 登金陵凤凰台 | 李白 | 72 |
| 独坐敬亭山 | 李白 | 73 |
| 送友人 | 李白 | 74 |
| 次北固山下 | 王湾 | 75 |
| 黄鹤楼 | 崔颢 | 76 |

目
录

5

| | | |
|-----------|-----|----|
| 长干曲 | 崔 颢 | 77 |
| 凉州词 | 王 翰 | 78 |
| 桃花溪 | 张 旭 | 79 |
| 山中留客 | 张 旭 | 80 |
| 移家别湖上亭 | 戎 显 | 81 |
| 塞下曲 | 戎 显 | 82 |
| 营州歌 | 高 适 | 83 |
| 别董大 | 高 适 | 84 |
| 塞上听吹笛 | 高 适 | 85 |
| 除夜作 | 高 适 | 86 |
| 早梅 | 张 谓 | 87 |
| 逢雪宿芙蓉山主人 | 刘长卿 | 88 |
| 听弹琴 | 刘长卿 | 89 |
| 送灵澈上人 | 刘长卿 | 90 |
| 重送裴郎中贬吉州 | 刘长卿 | 91 |
| 送李判官之润州行营 | 刘长卿 | 92 |
| 望岳 | 杜 甫 | 93 |
| 月夜 | 杜 甫 | 94 |
| 春望 | 杜 甫 | 95 |

目 录

6

| | | |
|-----------|----|-----|
| 闻官军收河南河北 | 杜甫 | 96 |
| 江畔独步寻花 | 杜甫 | 97 |
| 江畔独步寻花 | 杜甫 | 98 |
| 赠花卿 | 杜甫 | 99 |
| 绝句 | 杜甫 | 100 |
| 春夜喜雨 | 杜甫 | 101 |
| 绝句 | 杜甫 | 102 |
| 绝句 | 杜甫 | 103 |
| 江南逢李龟年 | 杜甫 | 104 |
| 前出塞 | 杜甫 | 105 |
| 客至 | 杜甫 | 106 |
| 旅夜书怀 | 杜甫 | 107 |
| 登高 | 杜甫 | 108 |
| 八阵图 | 杜甫 | 109 |
| 登岳阳楼 | 杜甫 | 110 |
| 蜀相 | 杜甫 | 111 |
| 绝句漫兴 | 杜甫 | 112 |
| 春行寄兴 | 李华 | 113 |
| 行军九日思长安故园 | 岑参 | 114 |

目 录

7

| | | |
|------------|-----|-----|
| 山房春事 | 岑 参 | 115 |
| 逢入京使 | 岑 参 | 116 |
| 碛中作 | 岑 参 | 117 |
| 戏问花门酒家翁 | 岑 参 | 118 |
| 西过渭州见渭水思秦川 | 岑 参 | 119 |
| 月夜 | 刘方平 | 120 |
| 枫桥夜泊 | 张 继 | 121 |
| 暮春归故山草堂 | 钱 起 | 122 |
| 归雁 | 钱 起 | 123 |
| 听邻家吹笙 | 郎士元 | 124 |
| 寒食 | 韩 翰 | 125 |
| 宿石邑山中 | 韩 翰 | 126 |
| 江村即事 | 司空曙 | 127 |
| 拜新月 | 李 端 | 128 |
| 小儿垂钓 | 胡令能 | 129 |
| 丹阳送韦参军 | 严 维 | 130 |
| 军城早秋 | 严 武 | 131 |
| 征人怨 | 柳中庸 | 132 |
| 题三间庙 | 戴叔伦 | 133 |

目 录

8

| | | |
|-----------|-----|-----|
| 兰溪棹歌 | 戴叔伦 | 134 |
| 塞上曲 | 戴叔伦 | 135 |
| 送人游岭南 | 戴叔伦 | 136 |
| 寒食寄京师诸弟 | 韦应物 | 137 |
| 秋夜寄丘二十二员外 | 韦应物 | 138 |
| 滁州西涧 | 韦应物 | 139 |
| 逢病军人 | 卢 纶 | 140 |
| 塞下曲 | 卢 纶 | 141 |
| 塞下曲 | 卢 纶 | 142 |
| 喜见外弟又言别 | 李 益 | 143 |
| 上汝州郡楼 | 李 益 | 144 |
| 夜上受降城闻笛 | 李 益 | 145 |
| 江南曲 | 李 益 | 146 |
| 江南曲 | 于 鹤 | 147 |
| 巴女谣 | 于 鹤 | 148 |
| 古别离 | 孟 郊 | 149 |
| 游子吟 | 孟 郊 | 150 |
| 登科后 | 孟 郊 | 151 |
| 洛桥晚望 | 孟 郊 | 152 |

| | | |
|-----------|-----|-----|
| 少年行 | 令狐楚 | 153 |
| 观祈雨 | 李 约 | 154 |
| 和练秀才杨柳 | 杨巨源 | 155 |
| 春兴 | 武元衡 | 156 |
| 啰唝曲 | 刘采春 | 157 |
| 题都城南庄 | 崔 护 | 158 |
| 岭上逢久别者又别 | 权德舆 | 159 |
| 题破山寺后禅院 | 常 建 | 160 |
| 惊雪 | 陆 畅 | 161 |
| 野老歌 | 张 籍 | 162 |
| 湘江曲 | 张 籍 | 163 |
| 成都曲 | 张 籍 | 164 |
| 秋思 | 张 籍 | 165 |
| 雨过山村 | 王 建 | 166 |
| 十五夜望月寄杜郎中 | 王 建 | 167 |
| 陈情上韦令公 | 薛 涛 | 168 |
| 湘中 | 韩 愈 | 169 |
| 晚春 | 韩 愈 | 170 |
| 游太平公主山庄 | 韩 愈 | 171 |

目 录

10

| | | |
|-----------------|-----|-----|
| 同水部张员外籍曲江春游寄白二十 | | |
| 二舍人 | 韩 愈 | 172 |
| 早春呈水部张十八员外 | 韩 愈 | 173 |
| 春闺思 | 张仲素 | 174 |
| 秋夜曲 | 张仲素 | 175 |
| 塞下曲 | 王 涯 | 176 |
| 贞元十四年旱甚,见权门移芍药花 | | |
| | 吕 温 | 177 |
| 秋风引 | 刘禹锡 | 178 |
| 竹枝词 | 刘禹锡 | 179 |
| 秋词 | 刘禹锡 | 180 |
| 竹枝词 | 刘禹锡 | 181 |
| 竹枝词 | 刘禹锡 | 182 |
| 浪淘沙 | 刘禹锡 | 183 |
| 元和十年自朗州召至京,戏赠看花 | | |
| | 刘禹锡 | 184 |
| 诸君子 | 刘禹锡 | 184 |
| 再游玄都观 | 刘禹锡 | 185 |
| 石头城 | 刘禹锡 | 186 |
| 乌衣巷 | 刘禹锡 | 187 |

目 录

11

| | | |
|---------------|-----|-----|
| 望洞庭 | 刘禹锡 | 188 |
| 邯郸冬至夜思家 | 白居易 | 189 |
| 赋得古原草送别 | 白居易 | 190 |
| 惜牡丹花 | 白居易 | 191 |
| 大林寺桃花 | 白居易 | 192 |
| 问刘十九 | 白居易 | 193 |
| 暮江吟 | 白居易 | 194 |
| 钱塘湖春行 | 白居易 | 195 |
| 白云泉 | 白居易 | 196 |
| 遗爱寺 | 白居易 | 197 |
| 池上 | 白居易 | 198 |
| 悯农 | 李绅 | 199 |
| 悯农 | 李绅 | 200 |
| 与浩初上人同看山寄京华亲故 | 柳宗元 | 201 |
| 柳州二月榕叶落尽偶题 | 柳宗元 | 202 |
| 江雪 | 柳宗元 | 203 |
| 渔翁 | 柳宗元 | 204 |
| 井栏砂宿遇夜客 | 李涉 | 205 |
| 牧童词 | 李涉 | 206 |

目 录

12

| | | |
|----------|-----|-----|
| 瀑布 | 施肩吾 | 207 |
| 诮山中叟 | 施肩吾 | 208 |
| 行宫 | 元 稹 | 209 |
| 菊花 | 元 稹 | 210 |
| 闻乐天授江州司马 | 元 稹 | 211 |
| 离思 | 元 稹 | 212 |
| 剑客 | 贾 岛 | 213 |
| 题李凝幽居 | 贾 岛 | 214 |
| 题诗后 | 贾 岛 | 215 |
| 寻隐者不遇 | 贾 岛 | 216 |
| 宫词 | 张 祜 | 217 |
| 题金陵渡 | 张 祜 | 218 |
| 农父 | 张 碧 | 219 |
| 登玄都阁 | 朱庆馀 | 220 |
| 闺意献张水部 | 朱庆馀 | 221 |
| 题西施石 | 王 轩 | 222 |
| 汴河直进船 | 李敬方 | 223 |
| 雁门太守行 | 李 贺 | 224 |
| 南园 | 李 贺 | 225 |

目 录

13

| | | |
|---------|-----|-----|
| 南园 | 李贺 | 226 |
| 马诗 | 李贺 | 227 |
| 偶书 | 刘叉 | 228 |
| 咸阳城西楼晚眺 | 许浑 | 229 |
| 谢亭送别 | 许浑 | 230 |
| 泊秦淮 | 杜牧 | 231 |
| 寄扬州韩绰判官 | 杜牧 | 232 |
| 江南春 | 杜牧 | 233 |
| 过华清宫 | 杜牧 | 234 |
| 题乌江亭 | 杜牧 | 235 |
| 赠别 | 杜牧 | 236 |
| 齐安郡后池 | 杜牧 | 237 |
| 山行 | 杜牧 | 238 |
| 赤壁 | 杜牧 | 239 |
| 秋夕 | 杜牧 | 240 |
| 清明 | 杜牧 | 241 |
| 咸阳值雨 | 温庭筠 | 242 |
| 商山早行 | 温庭筠 | 243 |
| 陇西行 | 陈陶 | 244 |